एक नजर में

रोजगार एवं कौशल विकास की दी जानकारी

मूह . राष्ट्रीय मानव अधिकार महिला एवं बाल विकास आयोग की प्रदेश सचिव डॉ . कनक राजेश पटेरिया ने टीकमगढ़ के मां लक्ष्मी पैलेस में आयोजित जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता की . कार्यक्रम में डॉ . पटेरिया ने बच्चों के रोजगार एवं कौशल विकास पर महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि 8वीं एवं 10वीं पास बच्चों के लिए सरकार की ओर से आईटीआई कोर्स की सुविधा उपलब्ध है, जो आगे चलकर रोजगार की गारंटी प्रदान करता है . उन्होंने उपस्थित जनसमूह को स्किल इंडिया योजना तथा मानव अधिकारों के अधिकार और कर्तव्यों के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया कार्यक्रम में सैकड़ों लोग उपस्थित रहे, जिनमें विशेष रूप से राकेश उपाध्याय, प्रदीप तिवारी, रामकिशोर शर्मा, राजा सिंधी, मन्नु भगवानी, बंटी तिवारी, हरीश दमानिया, नंदकिशोर बिल्गैया, गायत्री तिवारी आदि शामिल थे . सुरेश दंडोतिया ने आभार माना .

जैन मंदिर पर नवीन ध्वजा चढ़ाई

इंदौर . आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागरजी महाराज के सानिध्य में 2 वर्ष पूर्व जिनालय का पंचकल्याणक सम्पन्न हुआ था . 2 वर्ष पूर्ण होने पर जिनालय में अजितनाथ विधान एवं मंदिर के शिखर पर वीरेन्द्र कुमार, अंशुल बड़जात्या सेनापति परिवार द्वारा ध्वजा चढ़ाई गई . दिगम्बर जैन मंदिर मार्डन सिटी के संस्थापक पवन जैन पूर्व पार्षद ने बताया कि जिनालय में तीन तीर्थों के बनेडिया के अजितनाथ भगवान, सिध्वरकूट के संभवनाथ भगवान, बावनगजा के आदिनाथ भगवान विराजमान है व दर्शन होते है . धार्मिक कार्यक्रम आर्यिकाश्री यशस्वीश्री माताजी के सानिध्य में पंडित नितीन द्वारा सम्पन्न हुई . प्रात : की बेला में अभिषेक शांतिधारा का सौभाग्य महावीर जी, ललित पहाड़िया परिवार एवं सतीश राजकुमारजी पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ . चार दिशाओं में कलश स्थापना सतीश पाटनी, मुकेश राकेश गोधा, दीपक बड़जात्या, सुनील रीतू, प्रांशुल जैन परिवार को प्राप्त हुआ . मंडल जी पर दीप प्रज्वलित निर्मल सचिन पाटनी परिवार ने किया . इस अवसर पर सुरेन्द्र बाकलीवाल, जैनेश झांझरी, अशोक बड़जात्या, नरेन्द्र वैद, कैलाश वैद, इंदर सेठी, प्रदीप बड़जात्या, अनिल जैन जैनको, सुदीप जैन, संदीप जैन मौर्या, राजेन्द्र सोनी, सुशील पांड्या, आदि समाजजन उपस्थित थे . संचालन रवि पाटनी ने किया . आभार पंकज पाटनी ने माना .

सरकार्यवाह होसबोले का शहर में गृह संपर्क

इन्दौर . राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के महत्वपूर्ण कार्यक्रम वृहद गृह संपर्क अभियान के अंतर्गत सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले भी सम्मिलित हुए . अपने इन्दौर प्रवास में उन्होंने आज वाल्मीकि समाज के चौधरी जमींदार देव कुमार पिता ब्रम्हा बिरगड़े के न्यू पलासिया हरिजन कालोनी इंदौर स्थित निवास पर गृह संपर्क किया . आपने परिवार के साथ आत्मीयता से संवाद किया . सरकार्यवाह ने परिवार को संघ साहित्य भेंट किया तथा चर्चा के दौरान संघ की शताब्दी यात्रा का वर्णन किया . उन्होंने परिवार के प्रत्येक सदस्य से कुशलक्षेम की पूछताछ तथा राष्ट्र प्रथम के भाव को अपने जीवन में सर्वोपरि रखने की सीख दी . उन्होने परिवार के सदस्यों को पंच परिवर्तन की विस्तार से जानकारी दी तथा इनका संकल्प लेकर भारत को 2047 तक विश्व का अग्रणी राष्ट्र बनाने की प्रेरणा दी . देवकुमार वाल्मीकि समाज वरिष्ठ जमींदारी पंचायत इन्दौर में चौधरी के दायित्व पर हैं . आप समस्त सामाजिक कार्यों का निर्वाह करते हैं . आपने वाल्मीकि समाज में हो रहे विभिन्न समाज व राष्ट्र हित के कार्यों की जानकारी सरकार्यवाह को दी . सरकार्यवाह जी ने परिवार के साथ आनंद पूर्वक भोजन ग्रहण किया .

एनएच -52 पर अचानक डायवर्जन

इंदौर . जिला इंदौर ग्रामीण व आसपास के क्षेत्रों में 01 दिसंबर 2025 को किसान संगठनों की प्रस्तावित मांग-रैली और खलघाट (धार) स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर संभावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने देर रात में अचानक ट्रैफिक डायवर्जन जारी कर दिया . किसान नेता बबलू जाधव ने कहा कि सरकार शांतिपूर्ण किसान आंदोलन के चलते अव्यवस्थित निर्णय ले रही है, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि सरकार किसानों की आवाज़ सुनने के बजाय उसे दबाना चाहती है . अव्यवस्थित डायवर्जन से भारी एवं मध्यम वाहनों को अनियोजित वैकल्पिक मार्गों पर भेजा जा रहा है . चार पहिया वाहनों के लिए भी लंबी दूरी वाले मार्ग थोपे गए हैं . इससे परिवहन, व्यापार और ग्रामीण क्षेत्रों की दैनिक गतिविधियों पर सीधा प्रभाव पड़ेगा . बबलू जाधव ने कहा किसान किसी सरकार के विरोध में नहीं, बल्कि अपने अधिकारों के समर्थन में खड़ा है . यदि अन्नदाता सड़क पर उतरने को मजबूर है, तो यह सरकार की नीति-विफलता का सबसे बड़ा संकेत है . अब सरकार संवाद से नहीं, बल्कि टालमटोल और प्रशासनिक दबाव से काम ले रही है, जिसे किसान स्वीकार नहीं करेंगे . बबलू जाधव ने केन्द्र और राज्य सरकारों से आग्रह किया है कि वे तुरंत किसानों के प्रतिनिधियों के साथ खुली और सार्थक वार्ता करें तथा ऊपर दी गई चारों प्रमुख माँगों पर निर्णय लें। यही मार्ग किसानों और देश दोनों के हित में है .

अपने कर्मों का समर्पण परमात्मा में करेंगे तो दु :ख नहीं मिलेगा : स्वामी रामदयाल

गीता भवन में चल रहे 68वें अभा गीता जयंती महोत्सव में आज मोक्षदा एकादशी पर गीता के 18 अध्यायों का सामूहिक पाठ

इंदौर. हमारी आसक्ति यदि सत्ता, सती और सौंदर्य में रहेगी तो कभी सुख नहीं मिल पाएगा, लेकिन यदि हमने अपने कर्मों का समर्पण परमात्मा में कर दिया तो कभी दुख नहीं मिल पाएगा. गीता हमको कोई कर्म करने से नहीं रोकती, लेकिन यदि उन कर्मों का क्रियान्वयन हम परमात्मा को याद करते हुए करेंगे तो हम हमारा हर कर्म सार्थक बना लेंगे. गीता ने मनुष्य जीवन को कृतार्थ ही किया है, वह भी बिना किसी भेदभाव के. मानव मात्र के लिए गीता एक ऐसा दिव्य ग्रंथ है, जो सदियों से हम सबका मार्गदर्शन करते आ रहा है और आगे भी करता रहेगा.

ये विचार हैं अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के आचार्य, जगदगुरू स्वामी रामदयाल महाराज के, जो उन्होंने रविवार को गीता भवन में 68वें अ.भा. गीता जयंती महोत्सव की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए. सत्संग सत्र का शुभारंभ गोंडा (उ.प्र.) से आए पं. प्रहलाद मिश्र रामायणी के प्रवचनों के साथ हुआ. वृंदावन से आए स्वामी केशवाचार्य, डाकोर से आए स्वामी देवकीनंदन दास, नेमिषारन्य से आए स्वामी पुरुषोत्तमानंद सरस्वती, उज्जैन से आए स्वामी असंगानंद, वृदावन ने आए बालशुक पं. पुंडरिक कृष्ण महाराज, वाराणसी से आए स्वामी कृष्णानन्द महाराज एवं गोधरा से आई साध्वी परमानंदा सरस्वती एवं महामंडलेश्वर स्वामी प्रणवानंद सरस्वती ने भी अपने प्रवचनों में गीता, भागवत एवं भारतीय संस्कृति से जुड़े धर्मग्रंथों की महत्ता बताई. अध्यक्षीय उदबोधन में अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदायक आचार्य जगदगुरू स्वामी रामदयाल महाराज ने सबके मंगल की कामना की. प्रारंभ में गीता भवन ट्रस्ट की ओर से अध्यक्ष राम ऐरन, मंत्री रामविलास राठी, कोषाध्यक्ष मनोहर बाहेती, न्यासी मंडल के टीकमचंद गर्ग, प्रेमचंद गोयल, पं. महेशचंद्र शास्त्री, दिनेश मित्तल, हरीश माहेश्वरी, राजेश गर्ग केटी, संजीव कोहली, पवन सिंघानिया, सत्संग समिति के श्याम मोमबत्ती, रामकिशोर राठी, सुभाष झंवर, अरविंद नागपाल, चंद्रप्रकाश गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, अर्चना ऐरन आदि ने सभी संतों एवं अतिथियों का स्वागत किया। मंच का संचालन स्वामी देवकीनंदन दास ने किया.

कर्मों को श्रेष्ठता देने वाला ग्रंथ

गोंडा से आए पं . प्रहलाद मिश्र रामायण ने कहा कि गीता कर्मों की श्रेष्ठता पर बल देने वाला अनुपम ग्रंथ है। हमारे जैसे कर्म होंगे फल भी वैसे ही मिलेंगे . वृंदावन से आए स्वामी केशवाचार्य ने कहा कि गीता साक्षात भगवान कृष्ण की वाणी है, जो नित्य नूतन अनुभूति कराती है . काशी से आए स्वामी कृष्णानन्द ने कहा कि गीता में ज्ञान के साधन बताए गए हैं . जिव्हा स्वाद भी देती है और विवाद में भी फंसाती है . गोधरा से आई साध्वी परमानंदा सरस्वती ने कहा कि मनुष्य का शरीर चलता-फिरता मंदिर है . गीता का निरंतर सुमिरन और मनन-मंथन चलते रहना चाहिए . महामंडलेश्वर स्वामी प्रणवानंद सरस्वती ने कहा कि दुनिया में सुख तो बहुत हैं, सुख के साधन भी बहुत हैं, लेकिन शांति की कमी है . संसार के साधनों से शांति नहीं मिलेगी। शांति के लिए मन की निर्मलता और पवित्रता होना चाहिए।

स्वामी गोविंद देव गिरी आज आएंगे

राम जन्मभूमि मंदिर न्यास अयोध्या के कोषाध्यक्ष राष्ट्र संत स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज सोमवार को विमान से इंदौर आएंगे और गीत भवन में चल रहे 68 वें गीत जयंती महोत्सव में दोपहर 3 बजे अपने प्रवचनों की अमृत वर्षा करेंगे . सोमवार को गीता जयंती मुख्य महोत्सव है . मोक्ष एकादशी पर गीत भवन में सुबह सामूहिक गीता पाठ के बाद स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज के विशेष प्रवचन होंगे . अ.भा . गीता जयंती के चौथे दिन 1 दिसम्बर सोमवार को मोक्षदा एकादशी पर गीता जयंती का मुख्य महापर्व मनाया जाएगा .

लसूड़िया व पालदा क्षेत्र में तीन घरों के ताले टूटे

सोना-नकदी और घरेलू सामान पर किया हाथ साफ

इंदौर. शहर में लगातार घरों में सेंधमारी की घटनाएं बढ़ रही हैं. लसूड़िया और भंवरकुआं थाना क्षेत्र में तीन अलग-अलग स्थानों से सोने के गहने, नकदी, लैपटॉप और घरेलू सामान चोरी होने के मामले सामने आए हैं. सभी मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज उनकी तलाश शुरु की.

प्राप्त जानकारी के अनुसार पहली घटना लसूड़िया थाना क्षेत्र की के कैलोड हाला स्थित सेटेलाइट जंक्शन की हैं, 63 वर्षीय फरियादी शिशुपाल मेश्रम ने थाने पहुंच कर पुलिस को बताया कि मेरे मकान नंबर 2091 में अज्ञात चोर ताला तोड़कर अंदर घुसे और आलमारी में रखे सोने का मंगलसूत्र, लैकिट, चैन, अंगूठी, नकदी और असूस कंपनी का लैपटॉप चुरा ले गए. इसी तरह दूसरी घटना फिनिक्स टाउनशिप के प्लॉट नंबर 1393-94 की है, यहां रहने वाले 62 वर्षीय बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने पुलिस को बताया कि कोई अज्ञात चोर घर से डाइकिन कंपनी का एसी आउटडोर यूनिट, तीन बर्नर गैस चूल्हा, इंडक्शन हॉट प्लेट, किचन आइटम का बॉक्स, दो प्लास्टिक ड्रम, स्टडी टेबल, प्लास्टिक स्टूल और अन्य घरेलू सामान उठा ले गए.

इसी तरह तीसरी घटना भंवरकुआं थाना क्षेत्र के हिम्मतनगर, पालदा की है. 25 वर्षीय करण वासुरे ने पुलिस को बताया कि उसने और उसके भाई ने मजदूरी की कमाई अपनी मां तारा बाई को सुरक्षित रखने के लिए दी थी, जिसे उन्होंने रसोई में रख दिया था. 28 नवंबर की दोपहर जब उन्होंने देखा तो रकम गायब थी, साथ ही घर में रखी गैस टंकी भी नहीं मिली. तलाश के बावजूद कुछ पता नहीं चला. तीनों मामलों में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है. पुलिस आसपास के इलाकों के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है और चोरों की तलाश जारी है.

कंट्रोल रूम को धमकी देने वाला संदिग्ध गिरफ्त में

अमरावती क्राइम ब्रांच को सौंपा

इंदौर. अमरावती पुलिस कंट्रोल रूम को बम से उड़ा देने की धमकी देने वाले संदिग्ध को खजराना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इंदौर से पकड़ लिया. अमरावती क्राइम ब्रांच की सूचना पर शहर में सक्रिय हुई पुलिस टीम ने नाहरशाहवाली दरगाह क्षेत्र से आरोपी को हिरासत में लेकर उसे अमरावती पुलिस के सुपुर्द कर दिया.

थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव ने बताया कि अमरावती क्राइम ब्रांच ने 29 नवंबर को इंदौर कंट्रोल रूम को बताया कि एक संदिग्ध मोबाइल नंबर से धमकी देने वाला व्यक्ति इंदौर में छिपा हो सकता

है. मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी खजराना ने तुरंत टीम गठित कर बताए गए हुलिये वाले युवक की तलाश शुरू कर दी. सघन खोज के दौरान टीम ने नाहरशाहवाली दरगाह क्षेत्र से संदिग्ध को पकड़ा. उसकी पहचान हरीश उर्फ सोहेल शेख पिता पांडुरंग धारवे (33) निवासी शिवाजी नगर, थाना नांदगांव पेठ, जिला अमरावती (महाराष्ट्र) के रूप में हुई. अमरावती पुलिस ने मनोज सिंह सेंधव को बताया कि 28 नवंबर को कंट्रोल रूम में आए कॉल में धमकी दी गई थी कि परिसर को बम से उड़ाया जाएगा जिसके तहत प्रकरण दर्ज कर संदिग्ध की तलाश की जाकर उसे हिरासत में लिए गए आरोपी को दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी कर अमरावती क्राइम ब्रांच को सौंप दिया. आगे की विवेचना अमरावती पुलिस कर रही है.

मंच पर उतर आए भगवान हरि-विष्णु के दस अवतार

अग्रसेन विद्यालय के वार्षिकोत्सव में बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति

इंदौर. स्नेह नगर स्थित श्री अग्रसेन विद्यालय के 35 वें वार्षिकोत्सव में भगवान हरि-विष्णु के 10 अवतारों पर आधारित नृत्य नाटिका और हिंदी अंग्रेजी में दी गई मनोरम प्रस्तुतियों ने मेहमानों और स्कूल के बच्चों-पालकों का मन मोह लिया. मैसूर के प्रख्यात अगरबत्ती उद्योग के संस्थापक प्रकाश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस उत्सव का शुभारंभ राष्ट्रगीत एवं आर्केस्ट्रा की मंगल ध्वनि के बीच हुआ.

प्रारंभ में अग्रसेन चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से विद्यालय के अध्यक्ष रसनिधि कुमार गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन दिया.

मीनल सोले ने विद्यालय की प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत किया. इस मौके पर अतिथियों ने महाराजा अग्रसेन, देवी अहिल्या बाई एवं विद्यालय की संस्थापक डायरेक्टर श्रीमती मैत्रेयी पद्मनाभन (बड़ी टीचर) के जीवन वृत्त पर तैयार की गई पुस्तिका दिव्य पुंज का विमोचन भी किया. विभिन्न कक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को छात्रवृत्ति एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. अतिथि परिचय छात्र अर्णव अग्रवाल ने दिया और विद्यालय की प्रबंधकारिणी के वरिष्ठ सदस्य राम एरन ने अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किए. अतिथि स्वागत की रस्म विद्यालय प्रबंध समिति के सचिव विजयनारायण मित्तल, मंत्री महेश कुमार सांघी, न्यासी अमित गुप्ता आदि ने किया। आभार माना मंत्री महेश सांघी ने. संचालन कशिश गोगवानी, आराध्या अवस्थी एवं रिदा मेमन ने किया. इस अवसर पर शहर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाजबंधु, बच्चों के पालक एवं स्नेहीजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे जिन्होंने विद्यालय की गतिविधियों एवं शैक्षणिक प्रगति की खुले मन से प्रशंसा की.

छात्रों को एआई से जुड़े जोखिमों के प्रति किया जागरूक

इंदौर. प्रौद्योगिकी और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से अपने फ्लैगशिप प्रोग्राम यशोदा एआई के तहत फ्यूचर शिफ्ट लैब्स के सहयोग से सुशीला देवी बंसल कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया. यह कार्यशाला छात्रों को आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस की बदलती भूमिका और उससे जुड़े अवसरों एवं जोखिमों के प्रति जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है.

कार्यक्रम में कॉलेज के विभिन्न विभागों के छात्रों ने भाग लिया और समझा किएआई किस प्रकार शिक्षा, कामकाज और समाज को प्रभावित कर रहा है. राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा विजय राहटकर ने कहा, सच्ची प्रगति केवल तकनीकी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि इन नवाचारों का जिम्मेदारी और उद्देश्य के साथ उपयोग करने की हमारी क्षमता में है. छात्रों को आलोचनात्मक और नैतिक दृष्टिकोण से एआई को समझने के लिए सक्षम बनाकर, हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो अधिकारों की रक्षा करेगी और समाज में न्याय और समानता को मजबूत बनाएगी. फ्यूचर शिफ्ट लैब्स के संस्थापक नितिन नारंग ने कहा, यशोदा, एआई केवल एक कार्यक्रम मात्र नहीं बल्कि यह भारत के युवाओं में डिजिटल क्षमता और नैतिक जागरूकता विकसित करने का राष्ट्रीय मिशन है.

सनातन धर्म व भारतीय संस्कृति को मजबूत बनाने का संकल्प

अखंड धाम आश्रम पर 58 वें अ.भा. वेदांत संत सम्मेलन की तैयारियां जारी

इंदौर. बिजासन रोड स्थित प्राचीन अविनाशी अखंड धाम आश्रम पर 4 से 10 दिसम्बर तक होने वाले 58 वें अ.भा. अखंड वेदांत संत सम्मेलन की व्यापक तैयारियां की जा रही हैं.

रविवार को सुबह आश्रम के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरुप के सानिध्य में आयोजित सम्मेलन की आयोजन समिति से जुड़े श्रद्धालुओं की बैठक में सम्मेलन को हर संभव सहयोग देने एवं आश्रम की परंपरा के अनुरूप सार्थक बनाने के साथ ही सनातन धर्म के संवर्धन और संस्कृति के संरक्षण का भी संकल्प व्यक्त किया गया.

सम्मेलन की आयोजन समिति के अध्यक्ष हरि अग्रवाल, संयोजक अशोक गोयल, महासचिव दीपक जैन टीनू, संगठन सचिव भावेश दवे एवं कोषाध्यक्ष किशोर गोयल ने बताया कि समाजसेवी विष्णु बिंदल, जगदीश बाबाश्री एवं रामबाबु अग्रवाल के आतिथ्य में आयोजित इस बैठक में ठा. विजयसिंह परिहार, पं. योगेन्द्र महंत, विजय शादीजा, रणवीर दग्धी, परीक्षित पंवार, डॉ. चेतन सेठिया, राजकुमारी मिश्रा, विनय जैन, राजेंद्र सोनी, राजेश रामबाबू अग्रवाल, रमेश मोटवानी, अजय अग्रवाल, निर्मल नरेडी, राजेश कुंजीलाल गोयल, महेंद्र विजयवर्गीय, राजेश गर्ग, संदीप गोयल, जगमोहन वर्मा सहित बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे जिन्होंने संत सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आश्रम की परंपरा के अनुरूप सम्मेलन को सार्थक बनाने और सम्मेलन में आने वाले जगद्गुरु शंकराचार्य एवं अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के आचार्य जगद्गुरु स्वामी रामदयाल महाराज तथा स्वामी परमानन्द महाराज तथा वृंदावन के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज का गरिमापूर्ण स्वागत करने का संकल्प व्यक्त किया. सम्मेलन में श्रद्धा सुमन सेवा समिति, खंडवा रोड स्थित अखंड परमधाम आश्रम समिति, विजय नगर अग्रवाल महासंघ, छत्रीबाग जनसेवा समिति, अन्नपूर्णा क्षेत्र अग्रवाल महासंघ सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने भी सम्मेलन में हरसंभव सहयोग का वचन दिया। संचालन भावेश दवे ने किया और आभार माना दीपक जैन टीनू ने।

एक नजर में

दुनिया के 25 देशों के 200 भारतीय मूल के नागरिकों ने बड़े कोतुहल और आश्चर्य के साथ देखा

तीन सौ बरस पहले के हथियार देख रोमांचित हुए विदेशी मेहमान

इंदौर. लगभग 300 वर्ष पहले इंदौर रियासत के शासनकाल में हाथी पर बैठकर शिकार करने के लिए बनाए गए होदा, बैलगाड़ी में बैठकर होदा रखकर शिकार करने और उस युग के तीर-कमान, शेर के पंजे, गोसरू, कबर बिज्जू को पकड़ने का पिंजरा और रानी माँ गजरादेवी को कहीं लाने-ले जाने के लिए परदा लगी हुई शिकरम जैसी अनेक धरोहरों को जूनी इंदौर स्थित बड़ा रावला राजभवन पर पहुंचे दुनिया के 25 देशों के 200 भारतीय मूल के नागरिकों ने बड़े कोतुहल और आश्चर्य के साथ देखा.

दरअसल पिछले तीन दिनों से इंदौर आए इन प्रतिनिधियों को आज ग्लोबल इंडियन आर्गेनाईजेशन (जीआईओ) के इंदौर चैप्टर के रीजनल प्रेसीडेंट युवराज वरदराज मंडलोई ने अपने राजमहल पर आमंत्रित किया था और उसी दौरान एक प्रदर्शनी में इन सभी प्राचीन और दुर्लभ वस्तुओं का प्रदर्शन भी किया गया. सुबह करीब 10 बजे से ही इन प्रतिनिधियों का बड़ा रावला आगमन प्रारंभ हो गया था. पंडितों द्वारा वैदिक मंगलाचरण के बीच प्रथम शासक मंडलोई परिवार की ओर से राव राजा श्रीकांत मंडलोई, रानी साहिबा माधवी मंडलोई जमींदार एवं परिवार के अन्य सदस्यों ने कुमकुम तिलक एवं पुष्प माला पहनाकर उनका स्वागत किया. प्रवेश द्वारा के सामने ही बड़े हॉल में यह एक प्रदर्शनी लगाई गई थी जिसमें तत्कालीन रियासत के समय काम आने वाली बहुत सी ऐसी वस्तुएं संजोई गई थीं जिन्हें भारतीय मूल के विदेशी मेहमानों ने बड़ी दिलचस्पी के साथ देखा। इस प्रदर्शनी में कुछ विदेशी गाड़ियाँ भी शामिल थीं और तत्कालीन घोड़ागाड़ी भी देखने को मिली.

मालवा के परंपरागत व्यंजनों का भोज

इस सभी मेहमानों को बाद में गार्डन थीम पर मालवा के परंपरागत व्यंजनों का शाही भोज भी परोसा गया जिसे उन्होंने पूरे स्वाद और जायके के साथ ग्रहण किया . राव राजा श्रीकांत मंडलोई ने सभी मेहमानों को अपने प्रथम शासनकाल के लोगों से युक्त स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें भावपूर्ण बिदाई दी . इस अवसर पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी मनोज कुमार आईएएस, जीआईओ के इंटरनेशनल प्रेसीडेंट राजिन्द्र तिवारी, अश्विन पलसीकर, प्रताप नायर, मनोहर देव, मालवी भाभी प्रतीक्षा नैयर एवं अन्य गणमान्य नागरिक एभी उपस्थित थे . इंदौर चैप्टर के नवनियुक्त रीजनल प्रेसीडेंट युवराज वरदराज मंडलोई ने भी आश्वस्त किया कि यदि विदेशी मेहमान इंदौर आते हैं तो अपनी 300 बरस पुरानी परमपरा का निर्वाह करते हुए वे और उनका परिवार उन्हें पूरा सहयोग प्रदान करेंगे .